

रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम० 14.



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 21 अक्टूबर, 1986/29 अश्विन, 1908

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला, 21 अक्टूबर, 1986

क्रमांक एल० एल० आर०(डी) (6) 21/86-लैजिस्लेशन.— हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तारीख 18 अक्टूबर,

1986 को प्रख्यापित हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में मान के प्रवेश पर कर (संशोधन) अध्यादेश, 1986 (1986 का अध्यादेश संख्यांक 3) को संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके प्राधिकृत पाठ सहित, हिमाचल प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,  
कुलदीप चन्द मूद,  
सचिव (विधि)।

1986 का अध्यादेश संख्यांक 3.

**हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर  
(संशोधन) अध्यादेश, 1986**

भारत गणराज्य के सैंतीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित।

हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 1985 (1985 का अधिनियम संख्यांक 11) को और संशोधित करने के लिए अध्यादेश।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सत्र में नहीं है और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का यह समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं जिनके कारण तुरन्त कार्रवाई करना उनके लिए आवश्यक हो गया है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अध्यादेश बनाते हैं और उसे प्रख्यापित करते हैं:—

1. (1) इस अध्यादेश का संक्षिप्त नाम "हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर (संशोधन) अध्यादेश, 1986" है।

संक्षिप्त नाम  
और  
आरम्भ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

1985 का 11

2. हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 1985 की धारा 2 के खण्ड (ग) में दूसरी बार आए चिन्ह " , " के पश्चात् किन्तु शब्द "छावनी" से पूर्व, शब्द, चिन्ह और अंक "हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968," अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

धारा 2 का  
संशोधन

शिमला :

18 अक्तूबर, 1986

हस्ताक्षरित:-

बाइस एड्मिरल रुस्तम खुसरो शापूजी गांधी,  
पी 0 बी 0 एस 0 एम 0, बी 0 आर-सी 0,  
राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश।

[Authorised English Text of Himachal Pradesh Sathaneeya Kshetra Main Mal Ke Parvesh Per Kar (Sanshodhan) Adheyadesh, 1986 (1986 ka 3) as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

ORDINANCE No. 3 OF 1986.

**THE HIMACHAL PRADESH TAX ON ENTRY OF GOODS INTO LOCAL AREA (AMENDMENT) ORDINANCE, 1986**

*Promulgated by the Governor of Himachal Pradesh in the Thirty-Seventh Year of the Republic of India.*

An ordinance further to amend the Himachal Pradesh Tax on Entry of Goods into Local Area Act, 1985 (Act No. 11 of 1985).

Whereas the Legislative Assembly of Himachal Pradesh is not in Session and the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (1) of Article 213 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make and promulgate the following Ordinance:—

1. (1) This ordinance may be called the Himachal Pradesh Tax on Entry of Goods into Local Area (Amendment) Ordinance, 1986.

(2) It shall come into force at once.

2. In clause (c) of section 2 of the Himachal Pradesh Tax on Entry of Goods into Local Area Act, 1985, after the words "means" but before the words, "the cantonment", the words, signs and figure "the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1968" shall be inserted.

11 of 1985

SHIMLA :

The 18th October, 1986.

Sd/-  
VICE-ADMIRAL R.K.S. GHANDHI,  
PVSM, Vr. C.,  
Governor, Himachal Pradesh.